गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विद्या चरण शुकल) : (क) और (ख) 15 जलाई, 1966 को मिजो नेशनल फ्रंट के विद्रोहियों ने छिपकर बुआलपुई चौकी पर गोली चलाई। सुरक्षा सैनिकों द्वारा जवाब में गोली चलाई गई। हमारे पक्ष में कोई हताहत नहीं हुआ। मिजो नेशनल फ्रंट के हताहतों की संख्या ज्ञात नहीं।

(ग) आवश्यक तथा सम्भव सुरक्षात्मक उपाय किय गये हैं।

मनीपुर में चीनी राष्ट्रजनों की गिरफ्तारी

3219. **श्री बड़े :**
श्री यु० द० सिंह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री सोनावने :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मनीपुर के मारा गांव में कुछ चीनी राष्ट्रजन गिरफ्तार किये गये हैं;

(ख) यदि हां, तो उनके कब्जे से बरामद की गई वस्तुओं का ब्यौरा क्या है; और

(ग) उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य-मंत्री तथा प्रतिरक्षा मंत्रालय में प्रतिरक्षा संभरण मंत्री (श्री० हाथी) : (क) जी नहीं।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं उठते।

पाकिस्तानी डाकुओं द्वारा डकैती

3220. **श्री सोनावने :**
श्री बड़े :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री यु० द० सिंह :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 20 पाकिस्तानी डाकुओं ने जुलाई, 1966 के तीसरे सप्ताह में जलपाई गुडी के समीनेबन्द गांव पर डाका डला और बहुत अधिक धन तथा पशु ले गये जैसा कि 23 जुलाई, 1966 के 'वीर अर्जुन' में छपा है;

(ख) यदि हां, तो सरकार को बताई गई हानि की अनुमानित राशि क्या है; और

(ग) इस मामले में क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य मन्त्री श्री विद्या चरण शुक्ल) (क) से (ग) 21-7-1966 को रात को आठ या नौ पाकिस्तानी अपराधियों ने कूच बिहार जिले के गांव सभीलाबाश न कि जलपाईगुड़ी के समीनबन्द-गांव में जो सीमा के लगभग 75 गज की दूरी पर स्थित है डोकेया बर्मन के घर पर डकैती डाली। डोकेया बर्मन को लाठियों से घायल करके 600 रु० मूल्य के तेरह मवेशी साथ लेकर डाकू पाकिस्तान की तरफ़ लौट गये। इन तेरह मवेशियों में से 10 अगले दिन अपने आप डोकेया के घर लौट आये। भारतीय दंड संहिता की धारा 365/397 के अधीन एक मामला चलाया गया है।

बलात की ओर से पाकिस्तानी घुसपैठ

3221. **श्री बड़े :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री सोनावने :
श्री यू० द० सिंह :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 40 पाकिस्तानी आसाम-पूर्वी पाकिस्तान सीमा पर बलात नदी से भारतीय राज्य-क्षेत्र में दाखिल हुए जैसे कि 18 जुलाई, 1966 के "वीर अर्जुन" में प्रकाशित हुआ है,